Title: Crash of helicopter engaged by ONGC at Mumbai Offshore.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष महोदय, 11 अगस्त को ओ.एन.जी.सी. कर्मियों को ले जा रहा हैलीकॉप्टर एम.आई. 72 अरब सागर में गिर गया, जिसमें 29 लोग सवार थे। इनमें से 25 लोग मारे गए, दो लापता हैं जबकि दो लोगों को जीवित बचा लिया गया है।(व्यवधान)

हैलीकॉप्टर एम.आई. 72 को ओ.एन.जी.सी. ने चार्टर किया था। यह हैलीकॉप्टर अर्जेण्ट रिक्वायरमेंट बेसिस पर रशियन कम्पनी मैस्को से लिया गया था। पहले डेढ़ वर्ाों से इसका चालन बन्द कर दिया गया था।(व्यवधान)

इस दुर्घटना में लापरवाही और असावधानी का स्पट कारण देखने को मिला है। इस हैलीकॉप्टर को रैगुलर पायलट नहीं चला रहा था और पायलट की वैकल्पिक व्य वस्था की गई थी। इस हैलीकॉप्टर में एयरवर्दीनैस आफिसर भी मौजूद नहीं था।(व्यवधान)

पिछले तीन वर्ाों के भीतर यह दूसरी बड़ी दुर्घटना है। 17 जुलाई, 2002 को एक बड़ी दुर्घटना, जिसमें 11 लोगों को बहुत मुश्किल से बचाया जा सका था, हुई थी। 11 महीने पहले एक पवनहंस हैलीकॉप्टर भी समुद्र में गिरा था। 5-6 बार ओ.एन.जी.सी. के कर्मचारी संगठन ने अधिकारियों से दुर्घटना की आशंका की शिकायत की थी।(व्यवधान) एक बार उनका जवाब भी आया था कि हम आपकी शिकायतों पर ध्यान दे रहे हैं। प्रतिर्वा ट्रांसपोर्टेशन पर 120 करोड़ रुपये खर्च करने वाली कम्पनी अपने कर्मियों की सुरक्षा के प्रति सचेत नहीं है, यह खेदजनक बात है।(व्यवधान) इस घटना के तुरन्त बाद श्री राम नाईक जी दिल्ली से वहां आये और स्थिति का अ वलोकन किया। वहां उन्हें कर्मचारियों के गुस्से का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने वहां शान्ति से सब की बात सुनी। वे वहां कर्मचारियों के परिवारों से भी मिले और मृत कर्मचारियों के परिजनों को सांत्वना दी। लेकिन सी.एम.डी. और अन्य अधिकारी वहां नहीं गये, इसलिए कर्मचारियों का गुस्सा और ज्यादा बढ़ गया।

हमारी मांग है कि इस घटना की सी.बी.आई. इन्क्वायरी कराई जाये और ओ.एन.जी.सी. के सी.एम.डी. को तुरन्त बर्खास्त किया जाये। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet tomorrow, the 14th August 2003 at 11 a.m.

12.20 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, August 14, 2003/Sravana 23, 1925 (Saka).